शिशु गीत और खेल

[मैथिली लोकगीत मे]

संकलयित्री
डाक्टर प्रोफेसर अणिमा सिंह
लेडी ब्रेबोर्न कालेज,
कलकत्ता



प्रकाशक
मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड
१४ बी, ब्रजनाथ मित्र लेन,
कलकत्ता-६

प्रकाशक :

मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड

१४ बी, भजनाथ मित्र लेन,

कलकत्ता-६

मुद्रक :

सिंह प्रेस

१६२/८०, लेक गार्डेन्स,

कलकत्ता-४५

प्रथम संस्करण :

१९६६

१००० प्रति

मूल्य :

६० पैसा

आमुख

मानव जीवन मे शिशु-गीत एवं क्रीड़ा क महत्ता सहजहि बहुत अधिक छैक। बाल-लीला एवं शिशु-विषयक सहज उद्गार सँ पाषाणो हृदय एक बेर आनन्द-विह्वल भ' ज सकैछ। विश्व क कोनो साहित्य एहि रमणीय वातावरण क उपेक्षा नहि क' सकल अछि। सूर-तुलसी आदि श्रेष्ठ कवि लोकनि क बाल-वर्णन देखबे योग्य अछि। किन्तु एतय संगृहीत गीत-माधुरी आन कोनो काव्य मे दुर्लभ अछि। शिशु-विषयक एहन सरस गीत सँ जे कोनो भाषा साहित्य गौरवान्वित भ' सकैछ। लोक-मनीषा द्वारा एकर अनुपम वर्णन भेल अछि।

मैथिली मे कैक प्रकार क शिशु-गीत गाओल जाइछ। किछु गीत सँ कननिहार नेना कें चुप करबा क हेतु गाओल जाइछ, किछु गीत तखन गाओल जाइछ जखन शिशु खाइत नहि अछि और माय वा आन स्त्री ओकरा फुसला कए खुआबै चाहैत छथि, किछु गीत ओकरा सुखपूर्वक सुतैबाक हेतु गाओल जाइछ, जकरा हिन्दी मे 'लोरी' बंगला मे 'घुमपाड़ानी गान' तथा अंग्रेजी मे 'ललाबाइ' कहल जाइत छैक। एकर अतिरिक्त किछु एहनो शिशु गीत भेटैछ, जकरा शिशुक मन बहलाबक हेतु स्त्रीगण गाबैत छथि। किछु शिशु गीत मे प्रायः कथात्मकता होइछ, किन्तु ओहि कथात्मकता क निर्वाह नीक जकाँ नहि भ' सकैछ। बीचे मे शृंखला टूटि जाइछ वा उटपटांग बात आबि जाइछ।

एहि गीत सभक तुक और छन्द-योजना मे प्रचुर लोच पाबैत छी अनेक प्रकार क अंग-संचालन तथा सुन्दर भाव-भंगी क संग अभिव्यक्त होमैवाला गीत बड़ मनोहारी लगैछ। किछु गीत मे गृहस्थी क समस्या क समावेश रहैछ। एहि मे गृहस्थी सँ सम्बन्धि वस्तु सभक तथा परिवार क स्त्री लोकनिक पारस्परिक सम्बन्ध क चुस्त और सुन्दर वर्णन भेटैछ।

खेलबा काल खेलाड़ी सब गीत क उपयोग करैत छथि। एहि गीत सब के खेलाड़ी क मन क उल्लास और उमंग अभिव्यक्ति भेटैछ। खेल क क्रम और विधि क अनुरूपे ओकर छन्द-योजना होइछ। अधिकांश खेल मे गीत क पद बहुत कम होइछ; किन्तु ओहि पद क आवृत्ति विभिन्न रूप मे विभिन्न शारीरिक चेष्टा क प्रदर्शन द्वारा कैल जाइछ। खेल और एतद्विषयक गीत असंख्य अछि।

—अणिमा सिंह

शिशु-गीत

१

अटका—मटका
अजय के सात गो बेटा
एक टा गेल गाय मे
एक टा गेल भैंस मे
एक टा गेल हाथी मे
एक टा गेल घोड़ा मे
एक टा गेल बकरी मे
एक टा गेल छकरी मे
एक टा गेल भेड़ी मे
खिरिया-पुड़िया रिन्हलह
अपना खेलह ?
— हँ
हमरा लेल राखलह ?
बिलाड़ खाय गेल
चल गुड़गुड़िया, चल गुड़गुड़िया,
ओकरी सभा गुड़गुड़िया।

२

चान मामू, चान मामू, हँसुआ दे।
सेहो हँसुआ कथी ले? -- खड़वा कटावै ले।
सेहो खड़वा कथी ले? -- बंगला छरावै ले।
सेहो बंगला कथी ले? -- गैया डुकावै ले।
सेहो गैया कथी ले? -- चोतवा पुरावै ले।
सेहो चोतवा कथी ले? -- अंगना निपावै ले।
सेहो अंगना कथी ले? -- गहुमा सुखावै ले।
सेहो गहुमा कथी ले? -- मैदवा पिसावै ले।
सेहो मैदवा कथी ले? -- पुड़िया पकावैले।
सेहो पुड़िया कथी ले? -- भौजी के खियावै ले।
सेहो भौजी कथी ले? -- बेटवा बियावै ले।
सेहो बेटवा कथी ले? -- गुल्ली-डंटा खेलै ले।
गुल्ली-डंटा टुटि गेल, बबुआ रुसि गेल।

३

चान मामू, चान मामू,
आरे आबू, पारे आबू।
नदिया किनारे आबू,
चानी के कटोरिया मे,
दूध-भात नेने आबू।
हमर बुनुवाक मुंह मे घुटुक,
[illegible]

४

चल गे रंकी, दालि दररि ले।
केकरा जांत
छोटका मामू के चकरी।
अटकन देलकैन, मटकन देलकैन,
सब दालि खेलकैन बकरी।
लथे गहुम के लपपच पुरिया,
बाबा बगीचाक आम गे।
खाइ-पी ले गे रंकी नौरिया,
ऊँचे सिपेहार थान गे।
माइ ले किनिहे नीक-नीक चुड़िया,
बहिन ले किनिहे साड़ी गे।
माइ हेरतौ आरी-झारी,
बहिन हेरतौ फुलवाड़ी गे।
दादी हेरतौ खाट तुरैया।
नूनू छौ चौपैसा गे।

५

घुघुआ मूल, मलेल मूल,
कोन गाम मूल, पटना मूल,
पटनाक धिया-पुता बड़ि छटकी।
आँधी आएल, बुन्नी आएल
चम्पा फूल उधियाए गेल
छोड़ी बिच्छी रहि गेल

मामू आवै छै हौदा पर
उतरह मामू खड़ाम पर
बैठह मामू चौका पर
बाबू राम के बेटी
हाथ मे गुलेली
मारै लागल छौकी
उड़ि गेल पड़ौकी
लव घर लेबह कि पुरान घर ?
लव घर उठो रे उठो
पुरान घर खसो।

६

घुघुआ मूल, मलेल मूल
कोन गाम मूल बेली मूल
बेली पिताम्बर नाग की
सोनमनि मा टिक मूला
पोखरि काल कात हिरला लगा
हिरला गेलौ टूटि
तुनु गेलौ रूसि

७

हाथी-हाथी रऽन दे,
बोल टन टन दे।
बड़का-बड़का कान दे,
एसे टा बथान दे।

८

अलिया झूलै, झलिया झूलै,
हमर तुतुवा हुमुचि झूलै।
बाबा के बगिचबा मे,
अमुवा के निचवा मे,
कर-कौं, कर-कौं, झुल्ला,
पेंगा के चिचिल्ला।

९

अटकन मटकन दहिया चटकन
माघ मास करैला फरै
जामुन गोटी जामुन गोटी
तेतरी सोहाग गोटी
बांस काटै ठाँय ठाँय
नदी गुंगुवायल जाय
कमलक फूल तुनू अलगल जाय
छोटी रानी बड़ी रानी गेली नहाय
कान मंड़क तड़की गेलैन हेराय
आब की पहिरती कौआक ठोर
कौआ ठोर तऽ कारी
आब की पहिरती साड़ी
साड़ी मे तऽ पिलुआ
आब की पहिरती खिलुआ

१०

लाल दीदी गे
की दीदी गे
एक रत्ती छाल्ही चटलिऔ गे
तेहि लै लाल कका मारलकै
आब कोन घर नुकइयो गे
बाबा घर नुकइयो गे
बाबा बड़ चंडलवा गे
बीचे बजार मे खसलहुँ गे
सब बरियतवा हँसलक गे
हमरो मामा हँसलक गे

११

छाता वाला मुनसा के आबै छै?
पहुना आबै छै
नीमक गाछ पर की बजै छै?
बेंग बजै छै
आरे पहुना लड़िकए?
बेंग देबौ लड़ि कए
खइहो सवादि कए
हुक्का देबौ भरि कए
दम मारिहो कसि कए

१२

लाल गाछी गेलहुँ
लाल आम पेलहुँ
चोभा लगेलहुँ
बाबा के देलहुँ
बाबा हो बाघ छै बघिनिया छै
काजर बीजर केने छै
गर्भपुर मे की छै
टिकुली सटायल छै
पौती मे की छै
हरमुनिया छै
गहना गुड़िया राखल छै



१३

काजर के कजरौटी बेटी,
हींगुर के मसाल।
तार गाछ देख बेटी,
देख संसार।

१४

अलिया गे, झलिया गे
गोला थरद खेत खाइ छौ गे
कहाँ गे?— डीह पर गे।
डीहक रखवार के गे? मामू गे

मामू गेलै पुरैनिया गे,
लाल-लाल बिछिया अनलक गे।
कल्हू तर पिन्हैलक गे,
सासु के गोर लगौलक गे,
ननद कें ठुनकैलक गे।

१५

तेल करै चुप चुप
नुनु बाढ़ै लुप लुप
तेली के तेलाय लागै
नुनु के मोटाय लागै
तेली माथा फूटै बेल
नुनु माथा सोखै तेल

१६

चन्दा मामू अओना
घुंघरु बज़ौना
सोने सरवा
दूध के कटोरवा
चन्दा मामू घुटुक

१७

आको पाको
दिया जराको

सोनक दिया रूपा क बाती
नुनु सुतै सुखक राती
कननी खिफनी पाछु जा
हँसनी खेलनी आगु आ

१८

आहे माहे गोजा रोटी खा हे
मरुआ के रोटी गौरी दाय के बेटी
जाय छैन विदेसी
रंगे रंग ढोल बाजै सुनहु परदेसी

१९

जे हमरा नुनु के नजर लगावै गुजर लगाबै
बासी बढ़नी धीपल खपड़ी
तकरा मांग पर मारौं
कैल करतूत डीठ मूठ
नजर गुजर सब चूल्ही मे
पट पटाइ दै

२०

ओर बोर
नुनु जाय मामा कोर

२१

मैना गे तोहर गौना हैतो
हैत न त की

सोलह सौ सुपारी अयतो
आयत न त की
बारह हाथ के साड़ी अयतो
आयत न त की ,
लयका घर मे फदका करिहै
करय न त की

२२

सुतै सुतै रे नुनु बाल बचना
माइ गेलौ कूटै पीसे बाप गड़ीमान
दादा के कैल सनक दादी बदनाम

२३

नुनु खाय दूध भत्ता
बिलैया चाटै पत्ता
जौं जौं पत्ता उधियायल जाय
तौं तौं नुनु रूसल जाय

२४

बाबा हो कका हो सुगा खाइछ' धान हो
होंकौ बेटी लछमी
गोड़ मे देबौ पैजनी
चलौ सुभद्रा फूल तोड़ै लै
फूले गाछ तर आयल जमाय
बेटी के लैलकौ दोली चढ़ाए
जँ जँ बेटी हँकरल जाय
तँ तँ कहरिया पछरल जाय

वर के लागल हाँसी
कनिया पिटैये छाती
चल रे भोकना हाथी
वर बैठल वर तर
कनिया बैठल पीपर तर

२५

अलेल मलेल के जरना
तुलसी फूल के लरना
मामा अबैलौ मामा
कथी पर हाथी पर
उतरौ मामा खड़ाम पर
बैसौ मामा पिढ़िया पर
साठी धान के चूड़ा रे चूड़ा
धेनु भैंस के दूध
मामा खैता दही चूड़ा नुनु खैते जूठ

२६

हाहो रे परवतो सुगा
हमरा खेत मे जइहै सुगा
मामा के खेत जैहै सुगा
एकटा सीस अनिहै सुगा
घोंघा मे भात करिहै सुगा
सितुआ मे गाड़ पसैहै सुगा

अपना लीहैं परतवा मे
नुनु के दीहैं कटोरवा मे
तै लै नुनु रूसल जाय
बाबा काका बौंसने जाय
चल रे नुनु हमर खरिहान
खेत मे देबौ एक सूप धान
लेकर किनिहै गूआ पान
पान बला के पाने नहि
तै हमरा नुनू के दाँते नहि

२७

हे गे बिलैया कतय जाइछे ?
माछ मारै।
केना मारबै ? छब्बर छैया।
केना आनबै ? टांगि टूंगि।
केना काटबै ? हँसुआ कचिया।
केना रिन्हबै ? छन्नर पन्नर।
केना खेबै ? नम्मा चौरी।
केना पादबै ? टी टाँय।

२८

एक तारा दू तारा
मनसा गोपाल तारा
मनसा क बेटी बड़ झगराहि

झगड़त झगड़ैत गेल गंगा पार
गंगा मैयो बालू दै
सेहो बालू कनूनिया लै लेल
कनूनिया बेचारी फुटहा देल
सेहो फुटहा चरवाहा लेल
चरवाहा बेचारा दूध देल
सेहो दूध बिलाइ पी गेल
बिलाइ बेचारी मूस देल
सेहो मूस चिल्हा लै गेल
चिल्हा बेचारा पंखा देल
सेहो पंखा मामू के देल
मामू बेचारा घोड़ा देल
मामी एगो खुद्दियो ने देल

२९

आ रे कुत्ता आइ जो
नगरी डोलाय जो
नगरी मे आगि लागलौ
बाप के बोलाय जो
बाप देलकौ अंगा टोपी मुदरा के
नाक मे बुलाकी देलकौ तबला के
साँझ दै गे सँभली बिछौना बिछागे मझली
जौ गहुम के कटनी धप्का मार गे गोतनी

३०

आ रे कुत्ता आ
नंगरी डोला
नंगरी मे आगि लागलौ
बाप के बोला

३१

ननदी दाय गे ननदी दाय
बेटा कानैछौ खोपरी मे
कानै दै जनपिट्ठा के
नाचै दै पमरिया के
देखै दै सिपहिया के

३२

अटकन मटकन दहिया चटकन
माघ मास फरै करेला
ओहि करेला क नाम की
आप जाय तेतरी सोहाग
सिही लेबौ कि मंगुरी

३३

हले हले नुनु हले
माइ हकमिनिया बाप भले
पितिया तोहर राजकुमार
फूफा छ' कलवार के

३४

सुत गे नुनु सुतौनी देबौ
बगरो के टाँग हे रुचौनी देबौ

३५

आ आ रे खजन चिड़ैया
अंडा पाड़ि पाड़ि जो
तोरो अंडा आगि लागौ
नुनु के आँखि मे नीन

३६

एलसन बेलसन
धोबिया क पाट सन
कुम्हरा क चाक सन
भनसिया क कठौत सन
केरा क थम्ह सन
भोकना बिलार सन
नुनु ननिहर देख
नुनु ददिहर देख

३७

झुझुरकोना

झुझुरकोना झुझुरकोना कौन कोना जाएब ?
एहि कोना जाएब ?
ऊँ हुँ। ओहि कोना।
झुझुरकोना झुझुरकोना कौन कोना जाएब ?
एहि कोना जाएब ?
ऊँ हुँ। ओहि कोना।

३८

रजकोतवाल

हमरा बाड़ी, हमरा बाड़ी के ठनके ?
रजकोतवाल।
की-की लँगैये ?
आरब चाडर नब ढकना,
राजा पठौलन्हि कटहर लै
ई त फूलले अछि
ई त फरले अछि
ई त कोंचे अछि
ई पाकल अछि

३९

मैना के बचा हिरोलिया रे, टूटा जामुन गिरा
कचा गिरैयें त मारबो रे, दू गो पका गिरा

४०

कबड्डी

चल कबड्डी करिया
पकड़ि ले घरिया
धना दे हरिया
चल कबड्डी हुरे
चल कबड्डी हुरे

४१

चल कबड्डी आरल
सुलतानगंज झारल
दिल्ली के पछाड़ल
के नाम लए पुकारल ?

४२

चल कबड्डी टोंइयाँ
पटकि दे भुँइयाँ
कनी देख ले रे गुंइयाँ

४३

चल कबड्डी चटका
उठा कए पटका
डुलि दे बे - खटका

४४

मरल कें है, मरे दहो
काशी जी मे जरे दहो

४५

चेत कबड्डी चेतकदार
हाड़ न टूटै खबरदार

४६

तार काटौं तरकुन काटौं
काटौं रे खरबूजा
हाथी पर के र'न गिरल
ट'न महाराजा

४७

हे राजा !
की परजा ?
तोहर घोड़ा धान कियै खेलक' ?
खैबे करत

घोड़ा के बान्हि दिय' कि छोड़ि दिय' ?
बान्हि दिय' ।

४८

घोघो रानी, कतना पानी ?
घुट्टी तक ।
घोघो रानी, कतना पानी ?
ठेंगहुन तक ।
घोघो रानी, कतना पानी ?
ग'र तक ।
घोघो रानी, कतना पानी ?
नाक तक ।
घोघो रानी, कतना पानी ?
माथा तक ।
ई घर काटौं ?
नहि ।
ई घर काटौं
नहि ।

४९

हे बक टेहुनो टेहुनो टेहुनो,
तूं छुपकल छ' केहुनो ?
हम छुपकल छी तोरे कांटे लै,
तू लटकल छ' केहुनो ?

हम लटपट छी प्रसाद चढ़ै लै
तू छुपकछ छौ केहुनो
धक टेहनो टेहनो टेहनो

६०

तारनी बाबू तार कटावै रेल बनावै रेल
रेल चलै धक धक धुइँया फेंकै फक फक
आनापुर मे दाना मिलै भागलपुर मे भात
काशी जी मे डुबकी मारैं चल गुरु के साथ

६१

एंग लरी बेंग लरी जमुना लरी
जमुना मे दाल गिरै मामी मरी
मामी के बेटा कूदत खरी
हम तुनू भाय पटना जाय
पटना सँ दू चोली मँगाय
पुतहु पीन्है सासु झमकाय
नदी किनार मे बगुला बैठे
अहरा चुनि चुनि खाय
सिंघी मछलिया काँट चलावै
कलपि कलपि दिन जाय
अगिया अगिया घुरै घोड़ा ने जाय

६२
करिया झुम्मरि

है मझली,
की छोटकी ?
बड़की कहाँ गेल ?
घाँस काटै।
घाँस मे की ?
पौती।
पौती मे की ?
भरनी।
भरनी मे की ?
ककही।
ककही मे की ?
केस।
केस मे की ?
ढील।
ढील मे की ?
लीख।
लीख पटापट मारै छी
करिया झुम्मरि खेलै छी।

६३
करिया झुम्मरि

पौती मे की ? — भरनी
भरनी मे की ? — कंघी

कंघी मे की ? — केस
केस मे की ? — ढील
ढील मे की ? -- लीख
लीख पटापट मारै छी
करिया झुम्मरि खेलै छी
लीख पटापट मारै छी
करिया झुम्मरि खेलै छी

५४

एनियाँ से बेनियाँ दरभंगा वाली कनियाँ
सेहो कनियाँ मांगै छै लोकनिया हे
कदम जोड़ी फूल
अपन भैया रहितै डोली लागल जैतिहे
पितियौत भैया लागै छै गै-परवाह हन हे

५५

आगु आगु कनियाँ लताम खैने जाय
पाछू सँ लोकनिया ठेकान कैने जाय

५६

कनियनि मनियनि झिंगा क झोर
कनियनि माइ कै लै गेल चोर
दौड़' हो सहसौरा क लोग

५७

छौड़ा मौड़ा बेंग पकौड़ा,
बेंग के रोटी खो
बाप गेलौ पटना
बन्दूक लै कए जो

५८

दालि दररी मूंग दररी
बाबा पोखरि मे धूस चकरी
भैया पोखरि मे बड़ मछरी

५९

लाल कका हो, लाल गाछी गेलौं
लाल आम पलौं, चोभा लगेलौं
इनार मे ढोल, घन घन बोल
आब नहि जायब पछबरिया टोल
बाघ छै, बघिनिया छै
पौंती मे हरमुनिया छै
बोल हरमुनिया बोल

६०

लाल गाछी गेलौं लाल आम पलौं
पैरा पर कै धैलौं
पैरबा खोधि खोभि खाइबै

अगिला कौआ झुलर झुलर, पछिला कौआ चोर
हमरा मचान पर ऐहे रे कौआ
बाघ छौ बघिनिया छौ
पौंती मे हरसुनिया छौ
सिक्की के डाली चमेली के फूल
राजा बम बम बोल

६१

कौआ रे कक्का, आम दे पक्का
मारबौ चोभक्का दकचल नै, खोधल नै
कांच नै, कनकोहल नै आम दे पक्का,
मारबौ चोभक्का, तब कहबौ कक्का।

६२

हे चुड़ि चुड़िया, पाबनि कहिया ?
दिन राति बीति गेल उछलब कहिया ?

६३

खजन चिरैती खजन चिरैती कहिया छवान
आइ नहि, काल्हि नहि, परसू छवान

